



22/10/19

पञ्जाबी  
जेरु इत जार्न न करीस जार्न अउपरि-थर)  
जा- जा आवाने लउगरे गरी अकउउ आवाने के  
अउपरिथर) अउ पञ्जाबी अउर हामी अउर पौरनी के  
खामोश की भावी के पञ्जाबी के लउर सुधार के  
साथिसे इफर के)

पञ्जाबी  
पञ्जाबी (पौर)

8000/191

8000/191

